Antarvasna.com
अन्तर्वासना

तेरा साथ है कितना प्यारा-5

“आशीष लगातार मेरे स्तनों को दबा रहे थे, मेरे निप्पलों से खेल रहे थे परन्तु चूंकि मैं आशीष की टांगों के बीच में थी तो उनको बार बार मेरे स्तनों को सहलाने में परेशानी हो रही थी। …”

Story By: (funny123)
Posted: Monday, July 7th, 2014
Categories: पहली बार चुदाई
Online version: तेरा साथ है कितना प्यारा-5

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तेरा साथ है कितना प्यारा-5

आशीष भी नितम्ब उठाकर मेरा साथ देने लगे। आशीष के नितम्ब ऊपर होते ही मैंने तेजी आशीष का पायजामा निकाल कर फेंक दिया। आशीष की दोनों टांगों के बीच में लटका हुआ लिंग मेरे सामने था। मैंने आशीष के पूरे बदन को चूमना शुरू कर दिया। सीईईईईई… आ…शी…ष… ऊफ्फ्फ्फ… आशीष ने मेरे दोनों निप्पल को उमेठ डाला।

मैं कामाग्नि में पूरी तरह जल रही थी, मैंने एक हाथ से आशीष के सोये हुए लिंग को सहलाना शुरू कर दिया।

आशीष लगातार मेरे स्तनों को दबा रहे थे, मेरे निप्पलों से खेल रहे थे परन्तु चूंकि मैं आशीष की टांगों के बीच में थी तो उनको बार बार मेरे स्तनों को सहलाने में परेशानी हो रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ आशीष के लिंग की तरफ ही था, मैं लगातार प्रयास कर रही थी कि आज इसी लिंग से निकलने वाले अमृत से अपनी कामाग्नि बुझाऊँ।

हाययय… आहहह… मेरा पूरा बदन बुरी तरह कामोत्तेजित था। मेरी योनि में अजीब तरह की खुजली हो रही थी। हालांकि मेरे लिये यह खुजली नई नहीं थी परन्तु इतनी अधिक खुजली कभी महसूस नहीं हुई।

मैं आशीष के लिंग को अपनी योनि में अन्दर तक बसा लेना चाहती थी। अनेक प्रयास करने पर भी जब आशीष के लिंग में कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई तो मजबूर होकर मैं आशीष के दोनों ओर पैर करके ऊपर आ गई, अब उनका लिंग मेरी योनि के ठीक नीचे था।

आशीष लगातार आँखें बन्द करके मेरे स्तनों से खेल रहे थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उईईईई… मेरी योनि की बेचैनी मुझसे बर्दाश्त नहीं हो रही थी, योनि के अन्दर जैसे ज्वार भाटा उबल रहा था।

मैंने अपनी योनि को ही सीधे आशीष के सोये पड़े लिंग पर रगड़ना शुरू कर दिया। पर… ऊफ्फ्फ… ये…क्या…हुआ… मेरी…बेचैनी… तो…घटने… की…बजाय… और…बढ़… ई। दिल तो ये करने लगा कि चाकू लेकर अपनी योनि
को चीर दूँ मैं !

आशीष बेदर्दी से मेरे स्तनों से खेल रहे थे, मैं पागलों की तरह अपनी योनि आशीष के लिंग पर रगड़ने लगी। हाययययय… कुछ देर तक रगड़ते-रगड़ते मेरी योनि से खुद ही रस निकलने लगा, मेरी आँखों से नशा सा छंटने लगा। कुछ तो आराम मिला।

हालांकि अभी भी कुछ कमी महसूस हो रही थी पर योनि की अग्नि कुछ हद तक शांत हो चुकी थी। आशीष अब आँखें बन्द किये आराम से लेटे थे।

मैं उनके ऊपर से उठकर सीधे बाथरूम में गई, योनि के अन्दर तक पानी मारकर उसको ठण्डा करने की कोशिश की और सफाई करके वापस आई, देखा तो आशीष सो चुके थे या शायद सोने का नाटक कर रहे थे।

मेरी आँखें भी बोझिल थी, चुपचाप आकर सो गई मैं।

सुबह मैं फ्रैश मूड से उठी तो देखा आशीष हमेशा की तरह गहरी नींद में सो रहे थे। बैड टी लाकर मैंने आशीष को आवाज दी, आशीष ने आँखें खोली, मुझे देखकर मुस्कुसराये और सीधे बैठकर चाय का कप ले लिया।

मैंने समय ना गंवाते हुए तुरन्त आशीष से पूछा- क्या आपको कोई प्राब्लम है?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आशीष शायद मेरे इस अप्रत्याक्षित प्रश्न के लिये तैयार नहीं थे, चाय का कप भी उसके हाथों से गिरते गिरते बचा पर आशीष कुछ नहीं बोले।

मैंने फिर से अपना सवाल थोड़ी तेज आवाज और गुस्से वाले अंदाज में दोहराया।
'हाँ…' बस इतना ही बोला आशीष ने और उनकी आँखों से तेजी से आँसू गिरने लगे।

मेरे तो जैसे पैरों के तले से जमीन ही खिसक गई। मैं समझ ही नहीं पाई कि मुझे क्या करना चाहिए? मुझे तो अपना वैवाहिक जीवन ही अंधेरे में दिखने लगा पर आशीष लगातार रोये जा रहे थे।

भले ही कुछ भी परेशानी थी पर पति-पत्नी का प्यार अपनी जगह होता है, मुझसे आशीष के ये आँसू बर्दाश्त नहीं हो रहे थे, मैंने माहौल को हल्का करने के लिये बोला- चाय तो पी लो और टैंशन मत लो। हम किसी अच्छे डॉक्टर को दिखा लेंगे।

पता नहीं आशीष ने मेरी बात पर ध्यान दिया या नहीं पर वो चाय पीकर बहुत तेजी से अपने दैनिक कार्य से निवृत्त होकर ऑफिस के लिये तैयार हुए और बाहर आ गये।

आज आशीष पापा से भी पहले ऑफिस के लिये निकल गये।

मैं कोई बेवकूफ नहीं थी, उनकी मनोदशा अच्छी तरह समझ सकती थी पर अन्दर से मैं भी बहुत परेशान थी। मुझे तो अपना वैवाहिक जीवन ही अन्धकारमय लगने लगा। मेरे पति का पुरूषांग जिस की दृढ़ता हर पुरूष को गौरवांन्वित करती है, क्रियाशील ही नहीं था। हालांकि मैं व्यक्तिगत रूप से खुद को बहुत मजबूत मानती थी पर आज मैं भी खुद को अन्दर से टूटा हुआ महसूस कर रही थी।

शादी के बाद पिछले 4 महीनों में आशीष के व्यवहार का आकलन कर रही थी। आशीष सच में मुझे जान से बहुत प्यार करते थे। मैं समझ नहीं पा रही थी कि क्या करूँ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

फिर भी मैंने रात को आशीष से खुलकर बात करने का निर्णय किया। आज मुझे एक दिन इस घर में पिछले 4 महीने से ज्यादा लम्बा लग रहा था।

रात को आशीष घर बहुत देर से आये, उन्होंने सोचा होगा कि मैं सोती हुई मिलूँगी तो कोई बात ही नहीं होगी। पर मेरी आँखों से तो नींद कोसों दूर थी। डिनर के बाद कमरे में आते ही मैंने उनसे बात करनी शुरू की, मेरी बात शुरू करते ही उनकी आँखों से आँसू छलकने लगे।

यही मेरी सबसे बड़ी कमजोरी थे मैं उनको रोता नहीं देख सकती थी।

उन्होंने बोलना शुरू किया- नयना, सच तो यह है कि मैं शुरू से ही तुमको धोखा दे रहा हूँ ! तुमको ही नहीं सबको, अपने माँ-बाप को भी। मैंने अपनी इस बीमारी के बारे में किसी को नहीं बताया। मुझे पता था कि एक ना एक दिन तुमको जरूर पता चलेगा पर मैं तुमको दुख नहीं पहुँचाना चाहता था। हमेशा सोचता था कि जब तक काम ऐसे चल रहा है चलने दूं। मैंने शादी से पहले इसके अनेक इलाज करवाये पर कोई फायदा नहीं हुआ। आज तुमको इसके बारे में पता चल गया है तो निर्णय तुम पर है तो चाहो निर्णय ले सकती हो। मेरे मन में तुम्हारे लिये जो प्यार आज है वो ही हमेशा रहेगा।

अब मैं क्या करती? मैं तो अन्दर से पहले ही टूट चुकी थी। उनके साथ मेरी भी आँखों से आँसू निकल गये।

हम दोनों एक दूसरे को चुप कराते कराते कब सो गये पता ही नहीं चला।

सुबह मैं आशीष से पहले उठी। बहुत सोचा फिर बाद में इसी को नियति का खेल सोचकर धैर्य करना ही ठीक समझा और आशीष के लिये चाय बनाने चली गई।

जिंदगी ऐसे ही चलती रही। सात साल कैसे बीत गये पता ही नहीं चला। पर उस दिन अचानक मानो मुझ पर बिजली गिर पड़ी, मेरी शादी की सातवीं सालगिरह थी, सभी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेहमान आये हुए थे।

अच्छा खासा फंक्शन चल रहा था, अचानक मेरी सास मेरी मम्मी के पास आयी और बोली- बहन जी, आपकी बेटी की शादी को 7 साल हो गये, जरा इससे ये तो पूछो कि हमें पोते-पोती का मुँह भी दिखायेगी या नहीं?

मेरी सास ने भरी महफिल में मेरी माँ से ऐसा सवाल पूछ लिया जिसका जवाब उस समय कोई भी नहीं दे सकता था।

बहुत हंगामा हुआ, मेरे पापा भी कोई इतनी छोटी चीज नहीं थे जो अपनी बेटी की इस तरह भरी महफिल में बेइज्जती सहन कर लेते। उसी दिन शाम को मम्मी पापा मुझे अपने साथ घर लिवा लाये। आशीष के लाख कहने के बाद भी उन्होंने मुझे उस घर में नहीं रहने दिया।

मेरी सास के इस व्यवहार से मैं भी हतप्रभ थी पर मैं किसी भी कीमत पर आशीष से दूर नहीं होना चाहती थी। मजबूरी ऐसी कि असली बात किसी को बता भी नहीं सकती थी।

कहानी जारी रहेगी।
पाठकगण अपनी प्रतिक्रिया me.funny123@rediffmail.com पर अवश्य दें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-5

मैं एक बार झड़ भी चुकी थी पर मेरा जोश कम नहीं हुआ था, तभी केन और जेम्स ने लंड को बाहर निकाला और उन्होंने मुझे नादिया की गांड को चाटने के लिये कहा। उसकी गांड इनके लंड से चुदने […]
Full Story >>>

नौकरी के लिए चूत चुदाई की शर्त

दोस्तो.. मेरा नाम राज जैन है.. मैं अन्तर्वासना बहुत सालों से पढ़ता आ रहा हूँ। मैं अन्तर्वासना की सेक्सी कहानियां पढ़कर रोज मुठ मारता था। सभी की सेक्सी कहानियां पढ़ने के बाद आज मैं भी पहली बार अन्तर्वासना पर कहानी […]
Full Story >>>

32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-4

तभी जॉन नाश्ता लेकर आया नाश्ता करने के बाद नादिया फिर से उनके लंड को चूसने लगी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि इतनी थकने के बाद भी इसमें चुदने की इतनी क्षमता है। कुछ ही देर में उसने […]
Full Story >>>

लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 47

मुझे शरारत सूझी, मैं वेटर को दिखाते हुए अपनी चूत को खुजलाने लगी। वो हक्का बक्का रह गया, उसने फ़टाफ़ट खाना मेज पर लगाया और चला गया। तभी मुझे पूल वाली बात याद आ गई, मैंने पापा से पूछा कि […]
Full Story >>>

चली थी यार से चुदने, अंकल ने चोद दिया

मेरा नाम मधु है। मैं 29 साल की शादीशुदा हॉट, सेक्सी महिला हूँ, एकदम गोरी चिट्टी… अगर अंधेरे कमरे में भी चली जाऊँ तो रोशनी हो जाए। मेरी फिगर 36-28-34 है जो किसी को भी घायल करने के लिए काफी […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Indian Gay Site

#1 Gay Sex and Bisexual Site for Indians.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire